दिनांक 20.04.2015 को प्रधान सचिव, कृषि विभाग की अध्यक्षता में आयोजित किशनगंज एवं अररिया जिले के कृषि योजनाओं की समीक्षा बैठक की कार्यवाही:–

उपस्थितिः–संचिका में संधारित।

1. माप–तौल :– दोनों जिले के सहायक नियन्त्रक, माप–तौल को निदेश दिया गया कि जिले के माप–तौल कार्यालयों में कर्मियों के कुल स्वीकृत पदों एवं कार्यरत पदों की विवरणी अगली बैठक में प्रस्तुत करें।

   निर्देश दिया गया कि तेल की मापी में प्रयुक्त होने वाले मापक के प्रमाणीकरण हेतु संयुक्त निदेशक–सह–नियंत्रक, माप एवं तौल, बिहार, पटना द्वारा विधि सम्मत कार्रवाई की जाय।

2. जैविक प्रोत्साहन कार्यक्रम :– किशनगंज जिले में जैविक प्रोत्साहन कार्यक्रम में वर्ष 2014–15 में HDPE में वित्तीय लक्ष्य 13.41 लाख के विरूद्ध उपलब्धि 12.90 लाख एवं अररिया जिले में HDPE में वित्तीय लक्ष्य 54.09 लाख के विरूद्ध उपलब्धि 54.03 लाख रूपये है, जो 99.89 प्रतिशत है। बायोपेस्टिसाईड में भौतिक लक्ष्य 110 हे० के विरूद्ध 55 हे० की उपलब्धि है। किशनगंज जिला द्वारा बीजोपचार मद में भौतिक लक्ष्य 225 हे० के विरूद्ध 225 हे० उपलब्धि प्राप्त की गयी है। वित्तीय लक्ष्य के विरूद्ध किशनगंज जिले में कोई वित्तीय प्रगति नहीं है। इस संबंध में जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज द्वारा बताया गया कि विपत्र कोषागार में भेजा गया था, परंतु कोषागार द्वारा पारित नहीं होने के कारण निकासी नहीं हो सकी। बीजोपचार मद में अररिया जिले की उपलब्धि 96.47 प्रतिशत है।

   अररिया जिले में HDPE में अच्छी उपलब्धि का कारण पूछे जाने पर जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया इसका निर्माण कलस्टर में कराया गया है, जो गुणवत्तायुक्त है एवं इसकी माँग ज्यादा है।

3. वर्मी कम्पोस्ट :– जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेशित किया गया कि वे वर्मी कम्पोस्ट के अनुदान का भुगतान 30 अप्रैल तक निश्चित रूप से कर दें।

   वर्मी कम्पोस्ट वितरण की जाँच कराने एवं सत्यापन कराने का निदेश दिया गया। जिले में कितना वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन एवं वितरण हुआ, इसका प्रतिवेदन अगली बैठक में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

4. गोबर गैस संयंत्र :– गोबर गैस संयंत्र में किशनगंज जिले में वर्ष 2014–15 में भौतिक लक्ष्य 157 के विरूद्ध उपलब्धि 50 एवं वित्तीय लक्ष्य 45.53 लाख के विरूद्ध उपलब्धि 15.05 लाख रूपये है, जो 33.04 प्रतिशत है एवं अररिया जिला का भौतिक लक्ष्य 272 के विरूद्ध उपलब्धि 54 एवं वित्तीय लक्ष्य 78.88 लाख के विरूद्ध उपलब्धि 14.94 लाख रूपये है, जो 18.94 प्रतिशत है।

   दोनों जिलों को निदेश दिया गया कि इस वर्ष वे 150–150 का भौतिक लक्ष्य निर्धारित कर किसानों द्वारा इच्छित मॉडल का ही उपयोग करते हुए उपलब्धि सुनिश्चित की जाय।

   जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेशित किया गया कि टेक्नोलॉजी का Demonstration करने एवं इच्छुक व्यक्तियों को चिन्हित कर लक्ष्य के विरूद्ध शत–प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाय।

5. <u>**कृषि यांत्रिकरण योजना**</u> :– इस योजना में वर्ष 2014–15 में किशनगंज जिले का कुल वित्तीय लक्ष्य 2.23 करोड़ के विरूद्ध उपलब्धि 1.99 करोड़ रूपये है। जिले में जीरोटिल/सीड–कम फर्टिलाईजर ड्रील में वित्तीय उपलब्धि 38.14 प्रतिशत, पावर टीलर में 3.09 प्रतिशत, लैंड लेजर लेभलरें, पेडी ड्रम सीडर, सीड/फर्टिलाईजर डीबलर एवं सीड ट्रीटमेंट ड्रम में शून्य प्रतिशत तथा रीपर बाईडर में 12.50 प्रतिशत है।

इस योजना में वर्ष 2014–15 में अररिया जिले का कुल वित्तीय लक्ष्य 4.01 करोड़ के विरूद्ध उपलब्धि 3.48 करोड़ रूपये है। जिले में कम्बाईन हार्वेस्टर, लैंड लेजर लेभलर, पेडी ड्रम सीडर, सीड/फर्टिलाईजर डीबलर, सीड ट्रीटमेंट ड्रम में उपलब्धि शून्य प्रतिशत तथा पावर टीलर में उपलब्धि 4.03 प्रतिशत है।

जीरो टिलेज में निर्धारित लक्ष्य की शत–प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने हेतु दोनों जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेशित किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज को निदेश दिया गया कि रिपर बाइंडर यंत्र के क्रय हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने को कहा गया।

योजना के कार्यान्वयन के उपरांत जो राशि अवशेष रह गयी है एवं राशि की आवश्यकता नहीं है, उस पर प्रधान सचिव द्वारा शीघ्र निर्णय लेने का निदेश दिया गया।

6. <u>**अन्न भंडारण योजना**</u> :– किशनगंज जिले में वर्ष 2014–15 में अन्न भंडारण हेतु धातु कोठिला वितरण की वित्तीय उपलब्धि शत–प्रतिशत एवं अररिया की वित्तीय उपलब्धि 94.57 प्रतिशत है।

दोनों जिलों की उपलब्धि संतोषजनक पायी गयी।

7. <u>**रब्बी अभियान**</u> :– इस योजना में किशनगंज जिले का कुल वित्तीय लक्ष्य 56.63 लाख के विरूद्ध उपलब्धि 51.19 लाख एवं अररिया जिले का वित्तीय लक्ष्य 54.49 लाख के विरूद्ध उपलब्धि 53.69 लाख रूपये है।

जिला कृषि पदाधिकारी, अररिया द्वारा बताया गया कि जिले में मक्का के साथ राजमा का बीज भी दिया जा रहा है। किसानों द्वारा राजमा में अधिक लाभ की प्राप्ति होने के कारण इसमें अभिरूचि ली जा रही है। निदेश दिया गया कि Inter Cropping में मक्का एवं राजमा को अलग–अलग लगाने हेतु किसानों को प्रेरित किया जाय।

दोनों जिला कृषि पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि रब्बी अभियान के तहत मक्का एवं मटर के बीज का भौतिक सत्यापन एवं कैशबुक की जाँच शीघ्र पूर्ण कर लिया जाय।

मक्का एवं दलहन के अतर्वर्ती फसल प्रत्यक्षण में कितना उत्पादन हुआ, इसका आँकड़ा प्राप्त करने का निदेश दिया गया।

8. <u>**खरीफ योजना**</u> :– इस योजना में किशनगंज जिले का कुल वित्तीय लक्ष्य 6.44 करोड़ के विरूद्ध उपलब्धि 5.69 करोड़ रूपये है। जिले में पैडी ट्रांसप्लांटर, पैडी ड्रम सीडर एवं जिरोटिल/सीडड्रिल से धान प्रत्यक्षण में वित्तीय उपलब्धि शून्य प्रतिशत तथा सामुदायिक नर्सरी में वित्तीय उपलब्धि 42.41 प्रतिशत है।

अररिया जिले का कुल वित्तीय लक्ष्य 5.03 करोड़ के विरूद्ध उपलब्धि 4.87 करोड़ रूपये है। अररिया जिले की उपलब्धि संतोषजनक पायी गयी।

जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज को निर्देश दिया गया कि लक्ष्य के विरूद्ध शत–प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाय।

9. **NMOOP** :- इस योजना में दोनों जिले की उपलब्धि संतोषजनक पायी गयी।

दोनों जिलों को निर्देश दिया गया कि फार्म के एक–एक एकड़ जमीन में बड़ा तोरी का Demostration कराना सुनिश्चित की जाय।

10. **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन** :– राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में किशनगंज जिले में गेंहूँ की योजना लागू नहीं है। इस योजना में दोनों जिले की उपलब्धि संतोषजनक पायी गयी।

11. **बीज ग्राम योजना** :– इस योजना में दोनों जिले की वित्तीय उपलब्धि संतोषजनक पायी गयी।

12. **डीजल अनुदान** :– डीजल अनुदान वितरण हेतु वर्ष 2014–15 में किशनगंज जिले को 1.80 करोड़ रूपये आवंटित किया गया है, जिसके विरूद्ध 1.25 करोड़ रूपये की निकासी की गयी है एवं अररिया जिले को 2.14 करोड़ रूपये आवंटित किया गया है, जिसके विरूद्ध 1.81 करोड़ रूपये की निकासी की गयी है। दोनों जिलों द्वारा शेष राशि विभाग को प्रत्यर्पित कर दी गयी है।

निर्देश दिया गया कि पूर्व के वर्षों का लंबित डी०सी० विपत्र शीघ्र समर्पित किया जाय।

13. **ई–किसान भवन** :– ई–किसान भवन की समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज द्वारा बताया गया कि जिले में 04 ई–किसान भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, जिसमें प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक आदि कर्मी कार्य कर रहे हैं।

जिला कृषि पदाधिकारी, अररिया द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 09 ई–किसान भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है एवं सभी भवनों में कर्मी कार्य कर रहे हैं।

जिला कृषि पदाधिकारियों को ई–किसान भवन में शौचालय, पानी की सुविधा, चहारदीवारी, जलापूर्ति, बिजली आपूर्ति आदि उपलब्ध हैं या नहीं, इसकी पूर्ण विवरणी एवं फोटोग्राफ लेकर अगली बैठक में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

14. **नमूना जाँच** :– अररिया जिले में उर्वरक के 04 अमानक एवं बीज के 02 अमानक पाये गये हैं। उप निदेशक (शष्य), बीज विश्लेषण, बिहार, पटना को निर्देश दिया गया कि नमूना जाँच हेतु सभी जिलों के लिए बीज नमूना जाँच केन्द्र का प्रमंडलवार निर्धारण करने के लिए शीघ्र कार्रवाई प्रारंभ की जाय।

15. **राजकीय बीज गुणन प्रक्षेत्र** :– राजकीय बीज गुणन प्रक्षेत्र की समीक्षा के क्रम में जिलों कृषि पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि प्रक्षेत्रों में उपलब्ध आधारभूत संरचना यथा–प्रक्षेत्र का रकबा, बाउन्ड्री, बिजली कनेक्शन ट्रान्सफर्मर, पानी, बोरिंग, कार्यालय–सह–गोदाम भवन, थ्रेसींग फ्लोर एवं ड्रेनेज की व्यवस्था इत्यादि संबंधी प्रतिवेदन

एवं प्रक्षेत्रों को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यकता संबंधी प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।

निदेशक, कृषि को राज्य के सभी प्रक्षेत्रों में ढैंचा का बीज उपलब्ध कराने एवं सभी प्रक्षेत्रों का Soil Testing एवं Grid बनाकर मृदा की गुणवत्ता का प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध कराने हेतु सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को पत्र निर्गत करने हेतु निदेश दिया गया ताकि मिट्टी में किस Micronutrient की कमी है, इसका पता चल सके एवं उपचार किया जा सके।

16. <u>आत्मा योजना</u> :– अररिया जिले के परियोजना निदेशक, आत्मा द्वारा बताया गया कि वर्ष 2013–14 तक का जिले में आत्मा योजना का ऑडिट हो गया है। किशनगंज जिले में वर्ष 2012–13 तक का ही ऑडिट हो पाया है। प्रधान सचिव द्वारा पूछे जाने पर कि किशनगंज में वर्ष 2013–14 का ऑडिट क्यों नहीं हुआ, इस पर उप निदेशक, बामेती द्वारा बताया गया कि सभी जिलों का ऑडिट कराने के लिए पत्र अभी हाल ही जारी हुआ है।

प्रधान सचिव द्वारा अररिया जिले में आत्मा योजना में कम राशि व्यय का कारण पूछे जाने पर परियोजना निदेशक, आत्मा द्वारा बताया गया जिले उप परियोजना निदेशक, आत्मा आदि का पद खाली रहने के कारण वेतन मद की राशि खर्च नहीं हो पायी है।

प्रधान सचिव द्वारा आत्मा योजना की अलग से समीक्षा करने की आवश्यकता बतायी गयी। इसके लिए Reporting Format बनाने हेतु निदेशक, पी०पी०एम० को निदेशित किया गया।

अररिया एवं किशनगंज के परियोजना निदेशक, आत्मा द्वारा बताया गया कि आत्मा योजना का खाता परियोजना निदेशक एवं जिला कृषि पदाधिकारी दोनों के पास है। निदेश दिया गया कि सभी जिलों से सूचना माँगी जाय कि ऐसे कौन–कौन जिले हैं जहाँ एक ही योजना का खाता परियोजना निदेशक एवं जिला कृषि पदाधिकारी दोनों के पास है।

निदेशक, बामेती को निदेश दिया गया कि दिनांक 01.04.2014 को RKVY का जिलों के पास उपलब्ध अवशेष राशि को बामेती को वापस करने के लिए सभी जिलों को पत्र भेजने हेतु निदेशित किया गया।

आत्मा योजना के Reporting Performa का Re-formating कराने का निर्देश उप निदेशक, बामेती को दिया गया।

आत्मा योजना अन्तर्गत राजकीय बीज गुणन प्रक्षेत्रों एवं सरकारी नर्सरी में प्रत्यक्षण कराने हेतु कार्य योजना तैयार करने का निदेश दिया गया।

निदेशक, बामेती को निदेश दिया गया कि आत्मा योजना अन्तर्गत जिलों में कितनी राशि अवशेष है इसका योजनावार एवं खातावार प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाय।

17. <u>बाजार समिति</u> :– बाजार समिति प्रांगणों में हो रहे अतिक्रमण एवं चहारदीवारी के संबंध में अगली बैठक में पूर्ण विवरणी के साथ उपस्थित होने का निदेश दिया गया।

18. <u>उद्यान योजना</u> :– उद्यान योजना की समीक्षा के क्रम में निदेश दिया गया कि जिलों में अवस्थित नर्सरी की सूची एवं वहाँ उपलब्ध आधारभूत संरचना का विस्तृत विवरण अगली बैठक में उपलब्ध करायेंगे।